क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्षः 02 अंकः 74, सोमवार, 08 अप्रैल, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राहुल ने भ्रष्टाचार पर प्रधानमंत्री मोदी को दी बहस की चुनौती

नेशनल डेस्क। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर बहस की चुनौती दी है। उन्हों ने लिखा, श्रीमान मोदी, आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहं सकते। आपके कर्म आपके पीछे-पीछे हैं। देश की आवाज में ये पहचान सकता है। सत्य बहुत शक्तिशाली है। मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चूनौती देता हूं। राहुल गांधी ने इस ट्वीट के साथ हाल ही में एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू की क्लिप भी जोड़ी है, जिसमें राफेल मामले को लेकर पीएम मोदी से सवाल किया गया है। बता दें कि पहले चरण के लिए 11 अप्रैल को मतदान होना है, जिसको देखते हुए राजनीतिक दलों की ओर से प्रचार तेज कर दिया गया है। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की ताबड़तोड़ रैलियां जारी हैं। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी चुनावी मिशन में तेजी से लगे हुए हैं।

भाजपा की नई लिस्ट में कई सांसदों का टिकट कटा, उमा समेत कई दिग्गज भी हुए आउट

नई दिल्ली। भाजपा ने अपनी 18वीं लिस्ट जारी कर दी जिसमें ग्वालियर से विवेक शेजवलकर को टिकट दिया गया है। वहीं छिंदवाड़ा से मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ के खिलाफ नाथन शाह को टिकट दिया गया है। छिंदवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में कमलनाथ के खिलाफ विवेक साहू को उतारा गया है। उत्तर प्रदेश की झांसी सीट से अनुराग शर्मा उम्मीदवार होंगे। मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। उत्तर प्रदेश की बांदा सीट से मौजूदा सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा की जगह पार्टी ने आर.के. पटेल को मैदान में उतारा है। इस लिस्ट में भाजपा ने राजस्थान की 3 सीटों पर उम्मीदवार तय किए। राजसमंद से जयपुर राजघराने से जुड़ी दीया कुमारी को टिकट मिला। अभी यहां से भाजपा के हरिओम सिंह राठौर सांसद हैं। दीया पहले सवाई माधोपुर से विधायक रह चुकी हैं। राजस्थान की बाड़मेर सीट से सांसद कर्नल सोनाराम का टिकट कटा। हरियाणा की 10 में से 8 सीटों पर नामों का ऐलान हुआ। हिसार और रोहतक सीट पर उम्मीदवार तय नहीं हुए। इस लिस्ट में झारखंड की 3 सीटों पर नामों का ऐलान किया गया है और रांची तथा कोडरमा सीटों पर मौजूदा सांसदों के टिकट कटे हैं।

तृणमूल कैडरों की तरह व्यवहार कर रहे हैं वरिष्ठ पुलिस अधिकारीः भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष दिलीप घोष ने शनिवार को चार आईपीएस अधिकारियों के तबादले पर चुनाव आयोग को पत्र लिखने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मजाक उड़ाया और दावा किया कि कई और तबादले जल्द होने वाले हैं। घोष ने कहा, 'यह केवल शुरुआत है। इस तरह के स्थानांतरण की कई और सूची पाइपलाइन में है। मुख्यमंत्री इतनी गुस्साई क्यों है? क्या यह इसलिए है क्योंकि उनकी वोटों की लूट और धांधली में लिप्त होने में मदद करने के लिए पुलिस की योजना धराशाई हो गई है?'राज्य भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बंगाल के अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारी टीएमसी कैडर की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

भाजपा का मेनिफेस्टो

आज आ सकता है भाजपा का मेनिफेस्टो- होगी 'किसानों-युवाओं, महिलाओं और गरीबों' के मन की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा आसन्न लोकसभा चुनाव के लिए अपने संकल्प पत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा, किसान कल्याण, युवा एवं महिला सशक्तिकरण पर खास जोर देगी। सूत्रों के मुताबिक किसानों के कल्याण के संदर्भ में भाजपा को लोगों से बड़ी संख्या में सुझाव प्राप्त हुए हैं जिनमें किसानों के लिए 'मासिक पेंशन योजना' शुरू करने का सुझाव भी शामिल है। भाजपा का संकल्प पत्र सोमवार को जारी किया जाना प्रस्तावित है। पार्टी इसके साथ पिछले पांच वर्षो के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी पेश कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसमें किसानों पर जोर रहेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय का प्रमुखता से उल्लेख होगा और जोर दिया जाएगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विषय पर देश किसी तरह की नरमी नहीं रखेगा। किसान और नौजवानों के हितों से जुड़े विषयों का उल्लेख होगा। रोजगार एवं स्वरोजगार के व्यापक अवसर का खाका भी पेश किया जाएगा। कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में गरीबों को आर्थिक मदद प्रदान करने संबंधी 'न्याय योजना' के वादे के मद्देनजर भाजपा अपने संकल्प पत्र को ज्यादा धारदार और लुभावना बनाकर पेश करना चाहती है। इसमें सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल पर विस्तार से चर्चा हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना को व्यापक बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा हो सकती है। किसान कल्याण के संबंध में भाजपा को लोगों से बड़े पैमाने पर सुझाव प्राप्त हुए हैं। इसमें किसानों के लिए 'मासिक पेंशन योजना' शुरू करने का सुझाव प्रमुख है। पार्टी को किसानों के लिए 'कृषक भविष्य निधि' योजना का सुझाव भी प्राप्त हुआ है। भाजपा लोकसभा चुनाव के लिए अपने संकल्प पत्र में किसानों के मन की बात को भारत के मन की बात में प्रमुख स्थान देना चाहती है। सूत्रों के अनुसार भाजपा अपने संकल्प पत्र में युवा एवं महिला सशक्तिकरण पर खास ध्यान होगा। पार्टी को लोगों से इस संबंध में काफी सुझाव भी प्राप्त हुए हैं जिसमें मंत्रिपरिषद में महिलाओं के लिए कम से कम 15 प्रतिशत आरक्षण, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा संबंधी आयोगों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देने का सुझाव शामिल है। महिला कारोबारियों को कर रियायत और शहीद जवानों की विधवाओं को सरकारी नौकरी देने का सुझाव भी प्राप्त हुआ है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और स्वरोजगार को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने को लेकर भी विस्तार से चर्चा की जा सकती है। तीन तलाक, राम मंदिर, एक देश एक चुनाव के विषयों पर भी लोगों के काफी संख्या में सुझाव आए हैं उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों के लिए गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पार्टी ने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) समिति बनाई थी। इसके तहत देशभर में करीब 7500 सुझाव पेटियों, 300 रथों एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों से सुझाव प्राप्त किए गए।

शशि थरूर का पीएम मोदी को चैलेंज, केरल या तमिलनाडु से चुनाव लड़कर दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि वायनाड से लोकसभा चुनाव में खड़े होने का पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी का फैसला दर्शाता है कि उन्हें उत्तर भारत और दक्षिण भारत, दोनों में जीत मिलने का भरोसा है। थरूर ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में केरल या तमिलनाडु की किसी सीट से चुनाव लडने का साहस है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से राहुल के चुनाव में खड़े होने के बाद दक्षिणी राज्यों में इस बात को लेकर 'उत्साह साफ' दिखाई दे रहा है कि अगला प्रधानमंत्री उनके क्षेत्र से निर्वाचित उम्मीदवार हो सकता है। थरूर ने मोदी और भाजपा के इस बयान को लेकर उनकी निंदा की कि राहुल गांधी ने बहुसंख्यक बहुल क्षेत्रों से 'भागने' के लिए वायनाड को चुना। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने कट्टरता फैलाने की बार बार कोशिश की है। यह निराशाजनक है कि यह प्रधानमंत्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा,'भारत के प्रधानमंत्री को सभी भारतीयों का प्रधानमंत्री होना चाहिए लेकिन भाजपा की कट्टरता के पथप्रदर्शक के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करके मोदी ने इस सिद्धांतवादी पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।' थरूर ने दावा किया कि गांधी ने वायनाड से चुनाव लडने का फैसला ऐसे समय में किया है जब सहकारी संघवाद की भावना 'अभूतपूर्व तनाव' की स्थिति में है। इसी भावना ने 1947 में आजादी के बाद से देश को एकजुट बनाए रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार में दक्षिण की आर्थिक सुरक्षा और उसके राजनीतिक प्रतिनिधित्व के भविष्य को खतरे जैसे कई मामलों के कारण दक्षिणी राज्यों और संघीय सरकार के बीच संबंध 'लगातार बिगड़े' हैं। थरूर ने कहा कि ऐसे में राहुल गांधी ने इस आशय का 'साहसिक संकेत' दिया है।

कि वह देश में उत्तर और दक्षिण के बीच बढ़ती खाई पाटने के लिए पुल का काम कर सकते हैं। यह इस बात का भी संकेत है कि कांग्रेस प्रमुख को उत्तर और दक्षिण दोनों में चुनाव में जीत मिलने का भरोसा है। उन्होंने कहा,'क्या नरेंद्र मोदी ऐसा दावा कर सकते हैं?।

आतंकवाद फंडिंग मामलाः पूछताछ के लिए दिल्ली जाएंगे उमर

श्रीनगर (एजेंसी)।

हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के उदारवादी धड़े के प्रमुख मीरवाइज मौलवी उमर फारूक आतंकवाद वित्त पोषण मामले में पूछताछ के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सामने पेश होने के लिए 18 अप्रैल को नयी दिल्ली जाएंगे। एनआईए ने गत सप्ताह तीसरा नोटिस जारी करते हुए उमर को नयी दिल्ली स्थित एनआईए मुयालय में 18 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया था। उमर ने इससे पहले सुरक्षा कारणों का हवाला देकर दिल्ली जाने से इनकार कर दिया था हुर्रियत के एक प्रवक्ता ने रविवार को यहां कहा कि उमर पार्टी के कार्यकारी सदस्य प्रो. अब्दुल गनी भट, बिलाल गनी लोन और मसरूर अब्बास अंसारी के साथ नयी दिल्ली जाएंगे। एनआईए ने गत सप्ताह श्री उमर को तीसरा नोटिस जारी करते हुए उन्हें 18 अप्रैल को नयी दिल्ली स्थित एनआईए मुख्यालय में पेश होने को कहा था। एनआईए ने कहा, ''नयी दिल्ली में उमर की सुरक्षा का ध्यान रखा जाएगा।''

कांग्रेस के लिए देशभर में प्रचार करेंगे रॉबर्ट वाड्रा, भाजपा ने कसा तंज

नेशनल डेस्क। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति राबर्ट वाड्रा लोकसभा चुनाव के लिए देशभर में कांग्रेस पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। रविवार को न्यूज एजेंसी एएनआ से बातचीत के दौरान रॉबर्ट वाड्रा ने कहा है कि वह न सिर्फ राहुल गांधी और कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी के नामांकन के लिए अमेठी और रायबरेली में उनके साथ रहेंगे, बल्कि वह देशभर में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार भी करेंगे। कांग्रेस के लिए रॉबर्ट वाड्रा के चुनाव प्रचार में शामिल होने की खबर पर अरुण जेटली ने कहा, मुझे नहीं पता यह कांग्रेस के चुनाव प्रचार के लिए फायदेमंद होगा या फिर भाजपा के चुनाव प्रचार के लिए। लोकसभा चुनाव में वाड्रा के कांग्रेस के लिए प्रचार करने पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने करारा तंज कसा है। उन्होंने कहा, इतना ही कहना चाहूंगी, जहां-जहां रॉबर्ट वाड्रा प्रचार करने जाना चाहते हैं, वहां कि जनता आगाह हो जाए और अपनी जमीनें बचा ले। इससे पहले फरवरी में वाड्रा ने सक्रिय राजनीति में आने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि अगर वह चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं तो इसके लिए वह अपनी जन्मभूमि मुरादाबाद को चुनेंगे। उन्होंने कहा था कि अगर वह चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं तो इसके लिए वह अपनी जन्मभूमि मुरादाबाद को चुनेंगे। इसके कुछ दिन बाद गाजियाबाद में उनके समर्थन में पोस्टर भी लगे थे, जिसमें लिखा था, गाजियाबाद करे पुकार, रॉबर्ट वाड्रा, अबकी बार।

राजीव गांधी ने देश को मोबाइल दिया, मोदी बताएं भाजपा ने क्या कियाः पवार

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। इसी कड़ी में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी भी शामिल हो गए हैं, जो पिछले कुछ दिनों से दोनों एक दूसरे पर जुबानी हमले कर रहे हैं। शरद पवार ने एक बार फिर पीएम को आड़े हाथों लेते हुए कहा मोबाइल फोन राजीव गांधी की देन है, मोदी बताएं कि भाजपा ने देश के लिए क्या किया। पवार ने पुणे में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी पूछते हैं कि कांग्रेस का देश में क्या योगदान है। वो उन्हे याद दिलाना चाहेंगे कि राजीव गांधी की वजह से ही इस देश का हर शख्स उंगलियों पर मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा है और मोदी हमारे देश की रक्षा भी नहीं कर सके। एनसीपी अध्यक्ष ने एक भारतीय जवान की शहादत के बदले 10 पाकिस्तानियों के सिर लाने के भाजपा के वादे को याद दिलाते हुए कहा कि पिछले 3 साल में संघर्षविराम उल्लंघन की वजह से 693 भारतीय जवानों की मौत हो चुकी है। पवार ने कहा कि मोदी अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। वह देश की प्रगति में कांग्रेस के योगदान का लेखा-जोखा मांगते हैं, जबकि उन्होंने पिछले पांच सालों में देश के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की किसान विरोधी नीतियों की वजह से पिछले चार सालों में 18 हजार किसानों ने अपनी जान गंवाई है। मोदी सरकार हर मोर्चे पर सौ फीसदी फेल रही है और अपनी नाकामयाबी छुपाने के लिए वो मेरे और गांधी परिवार पर निशाना साधते हैं। बता दें कि शनिवार को भी पवार ने पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए कहा था।

ममता का मोदी पर पलटवार, कहा- भाजपा के मौसमी पक्षी केवल चुनाव में आते हैं बंगाल

जलपाईगुड़ी (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के मौसमी पक्षियों (नेताओं) को केवल चुनाव में बंगाल की याद सताती है जबकि उनकी पार्टी सालों भर लोगों के लिए पसीना बहाती है। बनर्जी ने जलपाईगुड़ी जिले के चुराभांदर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के मौसमी पक्षी केवल चुनाव के दौरान बंगाल का दौरा करते हैं। उन्होंने कहा,''चुनावों से पूर्व मोदी बाबू (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) और उनके मंत्री कहा करते थे कि वे बंद चाय बगानों का अधिग्रहण करेंगे पर उन्होंने अपने वादे नहीं पूरे किये।'' उन्होंने कहा,''वे (भाजपा नेता) मौसमी पक्षियों की तरह हैं जो केवल चुनाव के दौरान दिखाई देते हैं। जबकि हम (तृणमूल) साल के 365 दिन लोगों के लिए पसीना बहाते रहते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा,''मैं नियमित रूप से उत्तर बंगाल आती रही हूं। मैं इस इलाके की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम कर रही हूं।'' उन्होंने भाजपा पर पहाड़ी तथा तराई के बीच विभाजन की लकीर खिंचने का आरोप लगाते हुए दोनों इलाकों के बीच तनाव और हिंसा फैलाने के लिए स्थानीय भाजपा उम्मीदवार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा,''भाजपा पहाड़ों में ड्क्षहसा की आग फैलाने में लगी है ।

ऑफ द रिकॉर्डःलखनऊ से राजनाथ के खिलाफ पूनम सिन्हा!

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

भाजपा के बागी नेता शत्रुघ्न सिन्हा अब कांग्रेस टिकट पर पटना साहिब लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। अभिनेता से राजनेता बने शत्रुघ्न की पत्नी पूनम सिन्हा लखनऊ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ सकती हैं। सुविज्ञ सूत्रों के अनुसार पूनम सिन्हा समाजवादी पार्टी (सपा) की टिकट पर चुनाव लड़ेंगी और बसपा उनको समर्थन देगी। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस ने लखनऊ में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं किया और वह उत्तर प्रदेश की राजधानी से पूनम सिन्हा का समर्थन करेगी। इससे लखनऊ में राजनाथ सिंह और पूनम सिन्हा के बीच सीधा मुकाबला होने के लिए रास्ता प्रशस्त होगा। कांग्रेस नेता जितिन प्रसाद लखनऊ से चुनाव लडने् के इच्छुक थे और उनको अपने निर्वाचन क्षेत्र धौरहरा से चुनाव लडने् के लिए मनाया गया है। अब मैदान साफ हो गया है और लखनऊ उन 7 सीटों में से एक है जो कांग्रेस ने सपा-बसपा गठबंधन के लिए छोडने् की बात कही है। शत्रुघ्न ने आज कांग्रेस का हाथ थाम लिया है और वह बिहार के पटना साहिब सीट से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। पूनम सिन्हा को राजनाथ सिंह के खिलाफ संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतारने का फैसला विपक्षी पार्टियों द्वारा गृहमंत्री को अपने निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित रखने का प्रयास है। सूत्रों का कहना है कि समाजवादी पार्टी ने इस संबंध में अपना 'होमवर्क' पहले ही पूरा कर लिया है। लखनऊ में 4 लाख कायस्थ मतदाता हैं और 1.3 लाख सिंधी वोटर हैं। इसके अलावा 3.5 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। पूनम सिन्हा एक सिंधी हैं और उनके पति शत्रुघ्न सिन्हा कायस्थ हैं। सपा के एक नेता ने कहा कि इससे पूनम की उम्मीदवारी को बहुत बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। राजनाथ ने 2014 में कुल 1006483 वोटों में से 55.7 प्रतिशत मत लेकर विजय हासिल की थी। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र की सभी 5 विधानसभा सीटों पर भी जीत हासिल की थी। तत्कालीन कांग्रेस विधायक और उत्तर प्रदेश की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष रीटा बहुगुणा जोशी कुल मतों में से 288357 वोटें लेकर दूसरे स्थान पर रही थीं। अब ऐसी चर्चा है कि राहुल गांधी ने शत्रुघ्न सिन्हा को लखनऊ से अपनी पत्नी और सपा उम्मीदवार पूनम के लिए प्रचार करने की अनुमति दे दी।

संपादकीय

अफस्पा पर छिड़ी बहस

यह ठीक नहीं कि चुनाव के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मसलों पर भी राजनीतिक दल आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हुए हैं। बीते कुछ दिनों से कांग्रेस और भाजपा के बीच सशस्त्र बलों संबंधी अधिनियम यानी अफस्पा को लेकर जो बयानबाजी हो रही है उससे बचा जाना चाहिए था। यह बयानबाजी इसीलिए शुरू हुई, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में यह वादा किया कि अगर वह सत्ता में आई तो इस कानून की समीक्षा करेगी और कुछ मामलों में सुरक्षा बलों को इस कानूनी कवच से बाहर किया जाएगा। समझना कठिन है कि कांग्रेस को अफस्पा में खामी अभी ही क्यों दिखी? आखिर दस साल तक सत्ता में रहने के दौरान उसे इस कानून में कोई खामी क्यों नहीं दिखी या फिर वह यह कहना चाह रही है कि बीते पांच सालों में ऐसा कुछ हुआ है जिससे इस कानून में संशोधन-परिवर्तन आवश्यक हो गया है? अफस्पा आज का कानून नहीं है। इसे 1958 में तब बनाया गया था जब कांग्रेस के सामने विपक्ष की कहीं कोई गिनती नहीं होती थी। समस्या यह नहीं है कि कांग्रेस ने अफस्पा की समीक्षा की बात की। समस्या यह है कि वह यह कह रही है कि लोगों के लापता होने और प्रताड़ना एवं यौन हिंसा के मामलों में सुरक्षा बलों को अफस्पा के दायरे से बाहर किया जाएगा। क्या इसका मतलब यह है कि कांग्रेस यह मान रही है कि सुरक्षा बल लोगों को प्रताड़ित करते हैं या फिर यौन हिंसा में लिप्त रहते हैं? क्या वह इस नतीजे पर उन आरोपों के आधार पर पहुंची है जो सुरक्षा बलों पर कभी-कभार लगते हैं? कम से कम कांग्रेस के नेताओं को तो यह अच्छे से पता होना चाहिए कि अक्सर इस तरह के आरोप सुरक्षा बलों को बदनाम करने और उनका मनोबल प्रभावित करने के लिए लगाए जाते है कहीं कांग्रेस उन मानवाधिकारवादियों से तो प्रभावित नहीं जो कश्मीर में सुरक्षा बलों की सख्ती को मुद्दा बनाते रहते हैं? यह वही मानवाधिकारवादी हैं जो घाटी में पत्थरबाजों के गिरोहों और उन्हें मिल रहे राजनीतिक संरक्षण पर कुछ नहीं कहते। इस पर हैरत नहीं कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में अफस्पा की समीक्षा के वादे का घाटी के नेताओं ने स्वागत किया। अच्छा होता कि कांग्रेस केवल यहीं तक सीमित रहती कि वह सत्ता में आने पर अफस्पा की समीक्षा करेगी। किसी भी कानून की समीक्षा करने में हर्ज नहीं। सच तो यह है कि समय के साथ पुराने कानूनों की समीक्षा होनी ही चाहिए, लेकिन यह ध्यान रहे कि अफस्पा जैसे कानूनों की समीक्षा चुनावी मुद्दा नहीं बन सकता। इसी के साथ यह भी ध्यान रहे कि अगर सेना को अशांत क्षेत्रों में तैनात करना है तो उसे कुछ विशेष अधिकार देने ही होंगे। ये अधिकार क्या होने चाहिए, इस पर सैन्य अधिकारियों के दृष्टिकोण को सबसे अधिक महत्व देना होगा। यह अजीब है कि कांग्रेस ने कुछ खास मामलों को अफस्पा से बाहर करने की बात तो कह दी, लेकिन इस बारे में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी डीएस हुड्डा की राय लेना जरूरी नहीं समझा जिन्होंने उसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक विस्तृत दृष्टिकोण पत्र तैयार किया था।

ट्वीट

चुनाव

आगामी लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत सन्नाटा है, झंडे- बैनर गायब हैं। मुझे लगता है कि ये चुनाव नारों और मुद्दों से ज्यादा सोशल फोर्सेस के बीच का संघर्ष है।

अनंत विजय, वरिष्ठ विश्लेषक

नई उम्र की नई फसल पर नजर

शशि शेखर

चुनावी आश्वासनों की उस धुआंधार बारिश से एक बार फिर समूचा देश तरबतर है, जो हर पांचवें साल हमें भिगोती है। इस बार हर सियासी दल देश के करोड़ों युवा मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहा है। ये वायदे किस हद तक जमीन पर उतरेंगे? इस प्रश्न का उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता, पर युवा अगर चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं, तो इसे शुभ शकुन मानना चाहिए। ऐसा होना ही था। पिछले कई चुनावों में यह सच्चाई उभरकर आई है कि पहली अथवा दूसरी बार वोट डालने वाले मतदाता निर्णायक स्थिति में हैं। आंकड़े इसकी तस्दीक करते हैं। 2014 के आम चुनाव में लगभग 10 करोड़ नए मतदाता जुड़े थे। इनमें से करीब ढाई करोड़ 20 वर्ष से कम के थे और उन्हें पहली बार मतदान का हक हासिल हुआ था। उस चुनाव में कुलजमा 83.4 करोड़ वोटर पंजीकृत किए गए थे। इनमें से 52 फीसदी चालीस वर्ष से कम के थे। बताने की जरूरत नहीं कि यही वह वर्ग है, जिसके कंधों पर अपनी और देश के भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी है। इसी जमात को सही मार्गदर्शन और सहारे की जरूरत होती है। आंकड़े उठा देखिए। दिनोंदिन धराशायी होती शिक्षा-व्यवस्था ने चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण के शुरुआती उपादान को जर्जर बना दिया है। सामाजिक सुधार अब प्रोफेशनल एनजीओ तक सीमित होकर रह गए हैं। जाहिर है, नौजवानों को रास्ता दिखाने वाले 'लाइट-हाउस' बचे ही नहीं। पुरानी मान्यता है कि अगर भविष्य की राह धुंधली दिखे, तो अतीत पर नजर डालें। अपने इतिहास को समझने के लिए पहले लोग सार्वजनिक पुस्तकालयों में जाया करते थे। मुझे याद है, जब मैं मिर्जापुर में कक्षा दो का छात्र था, तब मेरे पिता मुझे चपरासी के साथ नारघाट स्थित एक वाचनालय में भेजा करते थे। किसी ने पूछा कि इतना छोटा बच्चा भला क्या पढ़ सकता है? इस पर उन्होंने कहा कि पढ़ेगा तो तब, जब वह इसका शऊर सीखेगा और इसके लिए सार्वजनिक पुस्तकालय से बेहतर कोई स्थान नहीं हो सकता। किताबों, लेखकों और वाचकों के प्रति उन दिनों उपजा सम्मान आज तक कायम है। वे पुस्तकालय ज्ञान के साथ संस्कार भी बांटते थे। अफसोस! आजादी से उपजे लोकतंत्र के कर्णधारों ने बहुत-सी अच्छी रवायतों के साथ इन वाचनालयों की भी कमर तोड़ दी। अब सोशल मीडिया का जमाना है और इसके जरिए जो ज्ञान-गंगा बहाई जाती है, उसने ज्ञान के सम्मान को मिट्टी में मिला दिया है। हर रोज किसी नेता, इतिहास पुरुष अथवा भारतीय संस्कृति के बारे में ऐसी बेतुकी बातें हवा में उछाली जाती हैं कि पहले से जानलेवा वायु वैचारिक गंदगी से भी बजबजा उठती है। हांगकांग स्थित 'काउंटरप्वॉइंट रिसर्च' के मुताबिक, इस समय भारत में 43 करोड़ स्मार्टफोन उपभोक्ता हैं। इन स्मार्टफोन के साथ ही 'वाट्सएप' इन तक पहुंचता है। खुद 'वाट्सएप' संचालकों का दावा है कि भारत में 20 करोड़ लोग इस संदेशवाहक का सक्रिय तौर पर उपयोग करते हैं। कुल जमा 87 हजार 'एक्टिव-ग्रुप' ऐसे हैं, जो किस्म-किस्म के संदेशों को लगातार उगलते रहते हैं। चुनावी जंगजुओं के पास अपनी बात लोगों तक पहुंचाने का यह बेहतरीन जरिया है। यही वजह है कि हम रात और दिन के शाश्वत भेद को भुलाकर हर घड़ी तरह-तरह के ऑडियो, वीडियो और लिखित संदेश प्राप्त करते रहते हैं। इनमें फलां के 'चरित्र' से लेकर ढिकां तक की 'काली-करतूतों' का विस्तृत लेखा-जोखा होता है। यह सहज भारतीय मानसिकता है कि हम मुफ्त में मिले सामान और ज्ञान को डकारने में सुख का अनुभव करते हैं। यह सुख अब महंगा पड़ रहा है, क्योंकि हमारी नई नस्ल असत्य अथवा अर्द्धसत्य को स्वीकार करने के लिए सम्मोहित की जा रही है। यह खतरा कितना विकराल है, इसको इन आंकड़ों के अक्स में देखें। भारत में कुल 90 करोड़ मतदाता इस बार मताधिकार के लिए पंजीकृत हुए हैं, जिनमें पहली बार वोट डालने वाले नौजवानों की संख्या करीब डेढ़ करोड़ है। इन सभी की उम्र 18-20 वर्ष के बीच है। इस तथ्य का पोस्टमार्टम करने पर मालूम पड़ता है कि बिहार, पश्चिम बंगाल राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक नए मतदाताओं के नाम दर्ज किए गए हैं। ये पांचों राज्य लोकसभा को 235 सदस्य सौंपते हैं। इसका एक आशय यह भी है कि ये राज्य अगली सरकार बनाने में बड़ी भूमिका अदा करेंगे, क्योंकि लोकसभा सांसदों की कुल तादाद का लगभग 43 फीसदी हिस्सा यहीं से चुनकर जाएगा। इन राज्यों के जमीनी हालात दयनीय हैं। किसान यहां आत्महत्या करते हैं, महिलाएं असुरक्षित महसूस करती हैं, बेरोजगारों का सबसे बड़ा तबका भी इसी धरती से आता है और सामाजिक असमानता हो अथवा सामंती मानसिकता, इनका सर्वाधिक दुष्प्रभाव इन्हीं क्षेत्रों में दिखता है। विरोधाभास देखें, देश के सर्वाधिक प्रधानमंत्री भी इन्हीं इलाकों से आए हैं। इसके बावजूद यह दुर्दशा! क्यों? इस सवाल का जवाब ढूंढने चलेंगे, तो ऐसे कई लेख लिखने पड़ेंगे, पर यह सच है कि यहां के नौजवान देश की अगली सरकार चुनने में अहम भूमिका अदा करेंगे। इन्हीं लोगों को सरकारी तवज्जो की अधिकतम आस भी होगी। वे अपने हालात से असंतुष्ट हैं और अपना अगला वोट इस उम्मीद से देंगे कि उनकी समस्याओं का हल अगले पांच वर्षों में निकाल लिया जाएगा। क्या उनकी उम्मीदों को पांव मिलेंगे? आसमानभेदक आश्वासनों की यह बारिश तो अच्छे आसार नहीं दिखाती। ऐसी बारिशें सत्तानायकों के लिए मतों की बाढ़ तो लाती रही हैं, पर मतदाता के हिस्से बस हताशा आती है। ऐसे में, सोशल मीडिया के अदृश्य कीमियागर उन्हें अटकाने-भटकाने में कामयाब हो सकते हैं। यहां सम्माननीय दार्शनिक ज्यां पाल सार्त्र याद आ रहे हैं। 1968 में पेरिस के छात्र आंदोलन के साथ कदम मिलाते समय उन्होंने कहा था- 'जब आप जीत की तफसील से वाकिफ होते हैं, तो इसे हार से अलग करना मुश्किल हो जाता है।' वह सही थे। वोटर सोचता है कि हार-जीत तय करने का हक उसके हाथ है, पर किसी भी दल की जीत अब तक उसे सिर्फ खीझ भरी हार देती आई है। क्या यह चुनाव इस मामले में परिवर्तनकारी साबित होगा?

ज्ञान गंगा

चुनौती

दीर्घावधि तक टिकी या बेकाबू प्रतीत होती कठिनाई, दुविधा या रुकावट चुनौती का रूप ले लेती है। सामान्य सोच विचार के अनुसार फूल हैं तो कांटे भी होंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां जीवन का अभिन्न अंग हैं, इनका आना-जाना लगा रहेगा और इन्हें स्वीकार करना होगा। अंधकार न हो तो प्रकाश की कद्र कैसे होगी? चुनौतियों से निरंतर जूझते रहने का नाम ही जीवन है। जिन्हें सदा संरक्षण मिलता रहा वे स्वतंत्र रूप से बेहतरीन कार्य निष्पादन में अक्षम रहे। ज्ञान-विज्ञान, तकनीक, कला, साहित्य, अध्यात्म, समाजकार्य आदि के क्षेत्रों में जिन्होंने बुलंदियां हासिल कीं, उन्होंने कुदाली पकड़कर अपने रास्ते स्वयं तैयार किए। लक्ष्य प्राप्ति की उधेड़बुन में एक-दर-एक चुनौती से निबटने की प्रक्रिया में उन्हें निजी स्वार्थ साधने की सुध न रही। सुविदित भौतिक शास्त्री न्यूटन ने गति की बेहतर समझ में आड़े आती चुनौतियों को सुलझाते हुए गणित की एक प्रशाखा कैल्कुलस ईजाद कर डाली। किसी निर्धारित या नपे-तुले कार्य को पूरा कर डालना यांत्रिक गतिविधि है, जिसे रोबोट या मशीन कम समय में अधिक दक्षता से बखूबी निपटा लेती है। इसकी तुलना में चुनौतियों से जूझने के लिए बुद्धि, अंतर्दृष्टि, दूरदृष्टि और विशेष सूझबूझ चाहिए। कर्मवीर चुनौतियों से कतराता या बचने का प्रयास नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जानता है कि इन्हीं सीढ़ियों के माध्यम से मंजिल तक पहुंचा जाएगा। मार्टिन लूथर किंग के अनुसार किसी की शख्सियत की पहचान सुविधा संपन्न परिस्थितियों के दौरान नहीं, बल्कि तब होती है, जब वह चुनौतियों से घिरा होता है। एक कवि ने यहां तक लिखा है, जिस व्यक्ति को प्रकृति असाधारण मुकामों के लिए तराशती है, उसे थपेड़ती, पटकती और तूफानों और कठिनतम परीक्षणों से गुजारती है तब जाकर वह निखर कर नायाब हीरा बनता है। दरअसल चुनौतियों का सामना किए बगैर प्रगति संभव नहीं। चुनौतियों से भागने या आंख मूंदने का अर्थ है समाधान से और अधिक दूर चले जाना। नई चुनौती व्यक्ति को तोड़ दे या झकझोर कर उसमें अभीष्ट तक पहुंचने की ललक जगा दे, यह उसकी सोच और नजरिए पर निर्भर है। विद्वानों ने कहा है, चुनौती से डरने या इसे समस्या मानने के बदले हर समस्या को बतौर चुनौती स्वीकार करें और उससे निबटें।

[हरीश बड़थ्वाल]

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

नफरत से नहीं प्यार से चलती है दुनिया

जेसिंडा अर्डर्न न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री

जेसिंडा का जन्म एक मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। पिता सरकारी विभाग में लॉ एनफोर्समेंट ऑफिसर थे। बाद में वह निउ आईलैंड में कमिश्नर नियुक्त हो गए। इसी दौरान उनका परिवार दक्षिण-पूर्व ऑकलैंड में आकर रहने लगा। जेसिंडा ने शुरुआती पढ़ाई यहीं की। स्कूल के दिनों से ही उनके अंदर बुजुर्ग और बीमार लोगों के प्रति गहरी संवेदना थी। एक बार स्कूल से लौटते समय उन्होंने कुछ बच्चों को नंगे पांव सड़क पर जाते हुए देखा। उनके नन्हे दिमाग में ढेरों सवाल उठने लगे। आखिर इन बच्चों के हालात इतने खराब क्यों हैं? मम्मी-पापा से बात की, तो उन्हें गरीबी व भुखमरी जैसी समस्याओं के बारे में जानने का मौका मिला। पापा ने हमेशा उन्हें दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। एक वाकया 1999 का है। जेसिंडा तब 17 साल की थीं। उन दिनों उनकी मौसी लेबर पार्टी के उम्मीदवार हैरी डूनहोवन के चुनाव अभियान में सक्रिय थीं। उनके पास बहुत काम था। मौसी ने उनसे पूछा, क्या चुनाव प्रचार के काम में तुम मेरी मदद करोगी? जेसिंडा तुरंत तैयार हो गईं, क्योंकि यह उनका मनपंसद काम था। चुनाव अभियान के दौरान उन्हें तमाम सियासी और सामाजिक मसलों को जानने का मौका मिला। यहीं से उनके अंदर सियासत को लेकर दिलचस्पीबढ़ने लगी। सामाजिक कार्य के साथ उनकी पढ़ाई भी जारी रही। वर्ष 2001 में उन्होंने वैकेटो यूनिवर्सिटी से कम्यूनिकेशन स्टडीज में स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय में बतौर शोधकर्ता काम करने लगीं। कुछ समय बाद उन्हें ब्रिटेन जाने का मौका मिला। वहां वह तत्कालीन प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की नीति सलाहकार पैनल में रहीं। वर्ष 2008 में इंटरनेशनल यूनियन ऑफ सोशलिस्ट यूथ की अध्यक्ष चुनी गईं। जेसिंडा तय कर चुकी थीं कि उन्हें सियासत में जाना है। उनका मानना था कि इसी रास्ते वह जन-समस्याओं का प्रभावी ढंग से हल कर पाएंगी। 2008 में वह लेबर पार्टी की तरफ से चुनाव में उतरीं और बड़ी जीत हासिल की। बतौर सांसद उन्होंने महिलाओं व बच्चों के लिए काफी काम किया। जनता के बीच उनकी लोकप्रियता बढ़ती गई और पार्टी में उनका कद भी बढ़ता गया। अगस्त 2017 में लेबर पार्टी ने उन्हें उपाध्यक्ष चुना। यह वह दौर था, जब न्यूजीलैंड में चुनाव होने वाले थे। जनता के बीच पार्टी की छवि खराब होती जा रही थी। ज्यादातर सर्वे में जनता की राय पार्टी के खिलाफ थी। मुश्किल दौर में जेसिंडा ने पार्टी की कमान संभाली और जमकर प्रचार किया। उनका पूरा फोकस सामाजिक समरसता और महिला विकास पर था। सितंबर 2017 में चुनाव हुए और लेबर पार्टी ने 46 सीटें जीतीं, जबकि द नेशनलिस्ट पार्टी को 56 सीटें मिलीं। किसी पार्टी के पास बहुमत नहीं था, लिहाजा गठबंधन सरकार बनी। सवाल था, प्रधानमंत्री कौन बनेगा? कई बड़े नेताओं के नाम सामने आए, पर ज्यादातर सांसदों ने जेसिंडा के नाम पर सहमति जताई। इस तरह 37 साल की उम्र में ही वह न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री बन गईं। उन्हें दुनिया की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री होने का रुतबा हासिल है। कम उम्र होने की वजह से उन पर सवाल उठे, पर उन्होंने सभी आशंकाओं को गलत साबित किया। जनवरी 2018 में उन्होंने एलान किया कि वह मां बनने वाली हैं। साथ ही यह वादा भी किया कि पारिवारिक दायित्व की वजह से वह प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारियों से समझौता नहीं करेंगी। उन्होंने ऐसा किया भी। बेटी के जन्म के दौरान उन्होंने छह सप्ताह की छुट्टी ली और फिर अपनी जिम्मेदारी निभाने प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंच गईं। जेसिंडा कहती हैं, मां बनने के बाद महिला की ताकत बढ़ जाती है। दुनिया भर में तमाम महिलाएं घर के साथ दफ्तर की जिम्मेदारी संभालती हैं। मैं भी उनमें से एक हूं। प्रधानमंत्री बनने के बाद जेसिंडा ने कभी वीआईपी की तरह व्यवहार नहीं किया। तमाम अहम मौके पर उन्होंने जनता के दुख-दर्द बांटे। पिछले महीने जब न्यूजीलैंड की मस्जिदों पर आतंकी हमला हुआ, तो उन्होंने दहशतगर्दों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि वह किसी धर्म विशेष के खिलाफ नफरत बर्दाश्त नहीं करेंगी। यही नहीं, अगले दिन वह अपने सिर को पल्लू से ढंककर पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचीं और उन्हें यकीन दिलाया कि उनकी सरकार हर समुदाय की सुरक्षा करने में सक्षम है। पूरी दुनिया में उनके इस कदम की तारीफ हुई। तिब्बतों के धार्मिक गुरु दलाई लामा ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, जेसिंडा ने जिस समझदारी के साथ सौहार्द और शांति का संदेश दिया, वह काबिले तारीफ है। मैं उनका प्रशंसक हूं। हाल में एक और दिलचस्प वाकया सामने आया। जेसिंडा शॉपिंग मॉल में खरीदारी करने गई थीं। बिल अदा करने के लिए वह लाइन में खड़ी थीं। उनके आगे खड़ी महिला की जब बिल अदा करने की बारी आई, तो पता चला कि वह अपना पर्स घर भूल आई है। उसके साथ दो बच्चे भी थे। उसे परेशान देखकर जेसिंडा ने बिना कहे उसका बिल अदा कर दिया। बाद में सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हुई।

प्रस्तुति- मीना त्रिवेदी

कैसे सिद्ध किया जाए
पूजा-पाठ

जिस तरह मंत्रों में शक्ति बताई गई है उसी प्रकार विभिन्न प्रकार की मालाएं भी पूजा-अर्चना में सिद्धिदायक सिद्ध होती हैं। अभिमंत्रित मालाओं में तो अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति आ जाती है, जिससे साधक को तुरंत सफलता मिलती है। माला के बिना मंत्र जप का पूर्ण फल नहीं मिल पाता है। देवी-देवताओं के जप के लिए काम में ली जाने वाली जप मालाओं का इस्तेमाल यदि तरीके से किया जाए तो नतीजे बेहतरीन मिलते हैं। माला का उचित प्रयोग करने से शीघ्र सिद्धि भी मिलती है।

कमलगट्टे की माला

यह माला लक्ष्मी जी को अत्यंत प्रिय है। लक्ष्मी जी के मंत्रों का जप करने से शीघ्र सिद्धि मिलती है। यह माला धन प्राप्ति, स्थिर लक्ष्मी के लिए श्रेष्ठ है।
लक्ष्मी मंत्र- ऊँ श्री ह्रीं श्री कमले कमलालये प्रसीद श्री ह्रीं श्री ऊँ महालक्ष्मै नमः॥

कुश ग्रंथि की माला

कुश नामक घास की जड़ को खोदकर उसकी गांठों से बनाई गई यह कुश ग्रंथि माला सभी प्रकार के कायिक, वाचिक और मानसिक विकारों का शमन करके साधक को निष्कलुष, निर्मल और सतेज बनाती है। इसके प्रयोग से व्याधियों का नाश होता है।
गणेश मंत्र- ऊँ गं गणपत्यै नमः।

मूंगे की माला

मूंगे की माला गणेश और लक्ष्मी की साधना में प्रयुक्त होती है। धन-संपत्ति, द्रव्य और स्वर्ण आदि की प्राप्ति की कामना के लिए की जाने वाली साधना मूंगे की माला को अत्यधिक प्रभावशाली माना गया है। मंगल ग्रह का जप भी इस माला से किया जाता है।
मंगल मंत्र- ऊँ अं अंगारकाय नमः।

तुलसी की माला

वैष्णव भक्तों तथा राम और कृष्ण की उपासना के लिए यह माला उत्तम मानी गई है। इस माला को धारण करने वाला पूर्ण शाकाहारी होना चाहिए। धारक का प्याज व लहसुन से भी पूरी तरह दूर रहने से सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।
कृष्ण मंत्र- ऊँ नमोभगवते वासुदेवायः।
ऊँ कृष्णं शरणं गच्छामिः॥

स्फटिक माला

स्फटिक माला सौम्य प्रभाव से युक्त होती है। इसके धारक को चंद्रमा, शुक्र व शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इन देवताओं के जातक प्रिय होते हैं। मानसिक शांति, सात्विक और पुष्टि कार्यों की साधना के लिए यह माला उत्तम मानी जाती है। **चंद्र मंत्र**- ऊँ सों सोमाय नमः।
शुक्र मंत्र- ऊँ शुं शुक्राय नमः।

शंख माला

शंख माला विशेष तांत्रिक प्रयोगों में प्रभावशाली रहती है। शिवजी की साधना और सात्विक कामनाओं की पूर्ति के लिए इसे धारण करना उत्तम माना जाता है।
शिव मंत्र- ऊँ नमः शिवायः।
रुद्र गायत्री- ऊँ तत्पुरुषाय विधमहे महादेवाय धीमहि, तन्नो रुद्रः प्रचोदयातः।

वैजयंती माला

यह माला भगवान विष्णु की आराधना में प्रयुक्त होती है। श्रीविष्णु को वैजयंती बहुत प्रिय है। माना जाता है कि इसको धारण करने या जाप करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और सदा आशीर्वाद रखते हैं। वैष्णव भक्त इसे सामान्य रूप में भी धारण कर सकते हैं। **विष्णु मंत्र**- ऊँ नमो नारायणः

हल्दी की माला

हल्दी की यह माला गणेशजी को प्रसन्न करने के लिए काम में ली जाती है। गणेश पूजा में प्रयोग लाई जाने वाली इस माला का बृहस्पति ग्रह और देवी बगलामुखी की साधना में भी प्रयोग किया जाता है।
गुरु मंत्र- ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौ गुः गुरवे नमः।

पारद माला

इसका दूसरा नाम त्रिलोक्य विजय माला है। इसके पहनने से दरिद्रता दूर होती है तथा शिव व शनि प्रसन्न होते हैं।

आकस्मिक धनागमन होने की संभावना बढ़ती है। शरीर के समस्त रोग स्वतः ही धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। शनि की साढ़ेसाती दोष निवारण में भी यह राहत प्रदान करती है।

मोती माला

यह माला चंद्रमा की तथा आकर्षण व मानसिक शांति के लिए उपयुक्त है। इसे पहनने से स्त्रियों के सौंदर्य में वृद्धि व शीतलता का अनुभव होता है।
चंद्र मंत्र- ऊँ सों सोमाय नमः।

चंदन की माला

यह दो प्रकार की होती है- सफेद और लाल चंदन की। सफेद चंदन की माला का प्रयोग शांति पुष्टि कर्मों में तथा राम, विष्णु आदि देवताओं की उपासना व राहू ग्रह की शांति के लिए जप किया जाता है। जबकि लाल चंदन की माला गणेशोपासना तथा साधना (दुर्गा, लक्ष्मी, त्रिपुरसुंदरी) आदि की साधना के लिए प्रयुक्त होती है। लाल चंदन की माला से सूर्य का भी जप किया जाता है। धन- धान्य की प्राप्ति की साधना में भी इस माला का प्रयोग किया जाता है।
राहू मंत्र- ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौ रां: राहवे नमः।
सूर्य मंत्र- ऊँ धृणिं सूर्य आदित्य श्री ऊँ।

रोग विनाशक रुद्राक्ष माला

रुद्राक्ष शिव को परम् प्रिय है। वैज्ञानिक तौर पर रुद्राक्ष में चुंबकीय, विद्युतीय और आकर्षण शक्तियां पाई जाती हैं। इसके स्पर्श एवं उपयोग से अनेक पापों से छुटकारा मिलता है। इससे दीर्घायु एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। रुद्राक्ष के उपयोग से स्नायु रोग, स्त्री रोग, गले के रोग, रक्तचाप, मिरगी, दमा, नेत्र रोग, सिर दर्द आदि कई बीमारियों से लाभ होता है। श्रद्धा-भक्ति से धारण किया गया रुद्राक्ष सम्पूर्ण कामनाओं को सिद्ध करता है। रुद्राक्ष सामान्यतः एक से इक्कीस मुख तक पाए जाते हैं परन्तु पंद्रह से इक्कीस मुख रुद्राक्ष प्रायः दुर्लभ होते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष साक्षात भगवान शंकर का स्वरूप है। यह अत्यंत दुर्लभ है व कई कार्यों में सफलता देता है।

बुध देवता की कृपा से पाएं धन-वैभव का प्रसाद

बुध ग्रह को ग्रहों में राजकुमार की उपाधि दी गई है। बुध ग्रह को भगवान विष्णु का प्रतिनिधि कहा जा सकता है। इसीलिए धन, वैभव आदि का संबंध बुध से है। बुध की दिशा उत्तर है तथा उत्तर दिशा कुबेर का स्थान भी है। बुध से जुड़ा सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण धर्म है। अनुकूलनशीलता हर हाल में खुद को ढाल लेना सिर्फ बुध प्रधान व्यक्ति ही कर सकता है। बुध को कई महत्वपूर्ण तथ्यों का कारक ग्रह माना गया है जैसे - वाणी का कारक, बुद्धि का कारक, त्वचा का कारक, मस्तिष्क की तंत्रिका तंत्र का कारक आदि। जन्म या वर्ष कुंडली में बुध ग्रह अशुभफलदायी हो तो भगवान विष्णु का ध्यान करके शुक्ल पक्ष के बुधवार को आरंभ करके 9000 की संख्या में बीज मंत्र का जप करना चाहिए। बुध के तांत्रोक्त मंत्र हैं

ऊँ स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः
ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
ऊँ स्त्रीं स्त्रीं बुधाय नमः

दान योग्य वस्तुएं मूंगी, 5 हरे फल, चीनी, हरे पुष्प, हरी इलायची, कांस्य पत्र, पन्ना सोना, हाथी का दांत, हरी सब्जी, हरा कपड़ा, दक्षिणा सहित दान करें।
उपाय कुंडली में बुध शुभ होते हुए भी फलकारक न हो तो निम्न उपाय शुभ होंगे-

- हरे रंग का पन्ना बुधवार को सोने की अंगुठी में धारण करें।
- हरे रंग के वस्त्र पहनें परंतु यदि बुध अशुभ हो तो हरे वस्त्र कदापि न पहनें।
- बुधवार को चांदी या कांस्य के गोल टुकड़े को हरे रंग के कपड़े में लपेट कर जेब में रखें या भुजाओं के साथ बांधें।

यदि बुध अशुभ हो तो

- मूंगी साबत के सात दानें, हरा पत्थर, कांसे का गोल चुकड़ा, हरे वस्त्र में लपेट कर बुधवार को चलते पानी में बहाना शुभ होगा। पानी में बहाते समय कम से कम सात बार बीज मंत्र पढ़ें।
- हरे रंग के वस्त्र किसी हिजड़े को बुधवार के दिन देना शुभ होता है।
- 6 इलायची हरे रूमाल में लपेटकर अपने पास रखें तथा इसके पश्चात एक इलायची व तुलसी पत्र का सेवन करना शुभ रहेगा।

ऐसा करने से शनि का कोप शांत होता है...

सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से देवता भी थर-थर कांपते हैं, कहते हैं शनि की कृपा राजा को रंक और रंक को राजा बना सकती है। लेकिन शनि देव इंसान के कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं। शनिदेव का व्रत एवं पूजन करने से वह प्रसन्न हो जाते हैं। शनि देव की प्रसन्नता के बाद व्यक्ति को परेशानियों से मुक्ति मिल जाती है और शनि की दशा के समय उनके भक्तों को कष्ट की अनुभूति नहीं होती है।

- शनिवार के दिन शनि देव को नीले लाजवंती का फूल, तिल, तेल, गुड़ अर्पण करें।
- पीपल में जल दें और पीपल की जड़ पर तिल या सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- शनि मन्त्र ऊँ शनैश्चराय नम का जाप करें।
- काली चींटियों को गुड़ एवं आटा खिलाएं।
- किसी कुत्ते को तेल चुपड़ी हुई रोटी खिलाएं। कुत्ता शनिदेव का वाहन है और जो लोग कुत्ते को खाना खिलाते हैं उनसे शनि अति प्रसन्न होते हैं।
- तिल और उड़द से बने पकवान शनिदेव को भोग लगाएं। शनिवार को साबुत उडद किसी भिखारी को दान करें या कौए को खिलाएं।
- काले रंग का वस्त्र धारण करें।
- शनिवार के दिन शनि भगवान का व्रत रखें। शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनि की शांति के लिए नीलम भी पहन सकते हैं। काले घोड़े की नाल का छल्ला मध्यमा अंगुली में धारण करें।
- शनिवार को शनि ग्रह की वस्तुओं का दान करें, शनि ग्रह की वस्तुएं हैं काला उड़द, चमड़े का जूता, नमक, सरसों तेल, तेल, नीलम, काले तिल, लोहे से बनी वस्तुएं, काला कपड़ा आदि।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए
सबसे सरल व उत्तम उपाय

भगवान गणेश की कोई भी मूर्त देखें तो उनके साथ सर्वदा उनका प्रिय भोजन मोदक अवश्य होता है। गणेश जी के हाथ में रखे मोदक का अर्थ है कि उनके हाथ में आनंद प्रदान करने की शक्ति है। मोदक मान का प्रतीक है इसलिए उसे ज्ञानमोदक कहकर भी संबोधित किया जाता है। जिस प्रकार मोदक मीठा होता है वैसे ही ज्ञान से प्राप्त आनंद भी मीठा होता है।

शास्त्रों के मतानुसार भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए सबसे सरल व उत्तम उपाय है मोदक का भोग। गणपति पूजा में अगर अपने मोदक का भोग अर्पित नहीं किया तो आपकी पूजा अधूरी ही रहती है। इसका कारण यह है कि गणेश जी को सबसे प्रिय मोदक है। गणेश जी का मोदक प्रिय होना भी उनकी बुद्धिमानी का परिचय है। मोद यानी आनंद व क का अर्थ है छोटा-सा भाग। अतः मोदक यानी आनंद का छोटा-सा भाग। मोदक का आकार नारियल समान यानी ख नामक ब्रह्मरंध्र के खोल जैसा होता है। कुंडलिनी के ख तक पहुंचने पर आनंद की अनुभूति होती है। पद्म पुराण के सृष्टि खंड में गणेश जी को मोदक प्रिय होने का जो वृतांत मिलता है उसके अनुरूप मोदक का निर्माण अमृत से हुआ है। यजुर्वेद के अनुसार गणेश जी परब्रह्म स्वरूप हैं। लड्डू को ध्यानपूर्वक देखने से ज्ञात होता है कि उसका आकार ब्रह्माण्ड के समान है। गणेश जी के हाथों में लड्डू का होना यह भी दर्शाता है कि गणेश जी ने ब्रह्माण्ड को धारण कर रखा है। सृष्टि के समय गणेश जी ब्रह्मण्ड को प्रलय रूपी मुख में रख लेते हैं और सृष्टि के आरंभ में इसकी रचना करते हैं।

वो 21 नाम जो करेंगे समस्याओं का निदान

क्या आपके घर में कलह क्लेश रहता है, कोई भी काम करते हैं तो बनते-बनते बिगड़ जाते हैं, शत्रु अकारण परेशान करते रहते हैं, स्वास्थ्य खराब रहता है, कोई न कोई रोग तन को लगा ही रहता है, बच्चे की बुद्धि का विकास नहीं हो रहा है तो फिर आप जान लिजिए वो 21 नाम जो करेंगे आपकी समस्याओं का निदान।

धार्मिक उपायों में भगवान गणेश का सबसे पहले ध्यान किया जाता है क्योंकि श्री गणेश संकटों को दूर करने वाले देवता माने जाते हैं। गणेश जी अपने भक्तों की श्रद्धा और भक्ति देखते हैं। जो भक्त इनके प्रति जितनी श्रद्धा रखता है गणेश जी उस पर उतने ही कृपालु बने रहते हैं।

1- ऊँ सुमुखाय नमः
2- ऊँ गणाधीशाय नमः
3- ऊँ उमापुत्राय नमः
4- ऊँ गजमुखाय नमः
5- ऊँ लंबोदराय नमः
6- ऊँ हरसूनवे नमः
7- ऊँ शूर्पकर्णाय नमः
8- ऊँ वक्रतुण्डाय नमः
9- ऊँ गुहाग्रजाय नमः
10- ऊँ एकदंताय नमः
11- ऊँ हेरम्बाय नमः
12- ऊँ चतुर्होत्रे नमः
13- ऊँ सर्वेश्वराय नमः
14- ऊँ विकटाय नमः
15- ऊँ हेमतुण्डाय नमः
16- ऊँ विनायकाय नमः
17- ऊँ कपिलाय नमः
18- ऊँ कटवे नमः
19- ऊँ भालचंद्राय नमः
20- ऊँ सुराग्रजाय नमः
21- ऊँ सिद्धिविनायकाय नमः

उमिया नगर कनकपुर सचिन में घर का ताला तोड़कर लूट

सूरत। रविवार सचिन पुलिस स्टेशन विस्तार में उमिया नगर कनकपुर सचिन के मकान नं. 2844 में चोरों ने बन्द घर का ताला तोड़कर लगभग ढाई लाख की लूट की।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त विवरण के अनुसार रमेश नारण भाई परमार निवासी उमिया नगर कनकपुर सचिन ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि तारीख 5,4,2019 के रात्रि 11 बजे से तारीख 6,4,2019 के सवेरे 5 बजे के बीच किसी अनजान चोरो ने बन्द् घर का ताला तोडकर घर में प्रवेश किया तथा घर में रखे सोने के मंगल सूत्र कीमत लगभग 31000 तथा चांदी की दो जंजीर कीमत लगभग 15000 तथा रोकड़ा 2000 के साथी मारुति सुजुकी कम्पनी की स्वीफट डिजाइर गांडी जिसका रजिस्ट्रेशन नं. जीजे-0 जे एम 2997 तथा जिसकी कीमत रुपये 215000 कुल मिलाकर लगभग 2,49500 का सामान लूट लिया। उपरोक्त मामले में एफ.आई.आर. दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। पुलिस सं. इं. एम.बी. मद्दारे मामले की जांच कर रहे है।

शहर में फ्लू के दो केस और दर्ज

सूरत। सूरत समेत समग्र राज्य में हाहाकार मचाने वाले स्वाइन फ्लू के और दो मामले शनिवार को दर्ज हुए थे। इसी के साथ शहर में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या 398 हो चुकी है और 5 लोगों की मौत भी हो चुकी है। शनिवार को शहर के सरथाणा विस्तार में दो वर्षीय बच्चे में स्वाइन फ्लू पॉजिटीव आने से उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जबकि भेस्तान में 35 वर्षीय पुरूष को स्वाइन फ्लू के उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। गर्मी का पारा बढ़ने से स्वाइन फ्लू के मामलों में कमी देखने को मिल रही है।

सूरत संसदीय मत विस्तार के लिए नियुक्त चुनाव निरीक्षक

सूरत। 24- सूरत संसदीय मत विस्तार के लिए नियुक्त चुनाव निरीक्षक डॉ. एन. मंजुला(आई.ए.एस.) (मो. 94299 77481) तथा शालिनी पांडे (आई.डी.ई.एस) (मो. 94299 77489) सुबह 9.30 से 10.30 बजे के दौरान सार्वजनिक छुट्टी के दिनों के अलावा सूरत सर्किट हाउस, अठवालाइन्स की प्रथम मंजिल पर कॉन्फ्रेन्स रूम में मतदाताओं, उम्मीदवारों और राजनीतिक पक्षों की चुनावलक्षी पेशकश प्रत्यक्ष सुनेंगे।

उल्लेखनीय है कि जनरल ऑब्जर्वर डॉ. एन. मंजुला 24- सूरत संसदीय मतदाता विभाग में समाहित 155- ओलपाड, 159- सूरत पूर्व, 160- सूरत उत्तर, 161- वराछा रोड, 162- करंज विधानसभा विस्तारों के लिए तथा श्रीमती शालिनी पांडे 166- कतारगाम और 167- सूरत पश्चिम विधानसभा के लिए सर्किट हाउस में प्रत्यक्ष पेशकश सुनेंगे। यह जानकारी जिला चुनाव अधिकारी और कलक्टर द्वारा प्राप्त हुई है।

कांग्रेस में फिर उठा-पटक के संकेत, मुख्यमंत्री से मिले पूर्व विधायक

अहमदाबाद । चुनाव मौसम के दौरान राजनीतिक दलों में उठा-पटक नई बात नहीं है। उम्मीदवारों के ऐलान से पहले और घोषणा के बाद अपनी पार्टी से नाराज नेताओं के दलबदल का सिलसिला जारी है। जिसमें कांग्रेस के पूर्व विधायक जोधाजी ठाकोर नाराजगी सामने आई है। जोधाजी ठाकोर ने राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ गुप्त बैठक की है। पाटण जिले के हारिज की एक होटल में जोधाजी और विजय रूपाणी के बीच बैठक हुई थी। जिसे देखते हुए वोटिंग से पहले कांग्रेस में फिर एक बार उठा-पटक के संकेत मिल रहे हैं। चर्चा है कि जोधाजी जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

पाटण में कांग्रेस उम्मीदवार को लेकर पूर्व विधायकों और उनके समर्थकों की पाटण के सर्किट हाउस में बैठक हुई थी और उसमें लोकसभा चुनाव में स्थानीय उम्मीदवार को टिकट मिले ऐसी इच्छा व्यक्त की थी। साथ ही पाटण के पूर्व सांसद जगदीश ठाकोर और राधनपुर के सीटिंग विधायक अल्पेश ठाकोर का विरोध किया गया था। जगदीश ठाकोर बनासकांठा के हैं और अल्पेश ठाकोर अहमदाबाद जिले के विरमगाम के निवासी हैं। इसके बावजूद कांग्रेस ने पाटण से जगदीश ठाकोर को टिकट दिया है। स्थानीय व्यक्ति को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के कारण पाटण कांग्रेस में बगावत हुई थी। जिसमें पूर्व विधायक जोधाजी ठाकोर, चमनजी ठाकोर और खानसिंह धारपुरिया, पूर्व मंत्री पोपटजी ठाकोर और पूर्व जिला प्रमुख अभेसिंह ठाकोर ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हांलाकि कुछ दिन बाद जोधाजी ठाकोर कांग्रेस में लौट आए थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से जोधाजी ठाकोर की मुलाकात पाटण कांग्रेस में उठापटक के संकेत दे रही है।

प्रीति जोशी सहित दो वकीलों का इन्टरनेशनल कौंसिल आफ ज्युरिष्ट में समावेश

सूरत। रविवार (सूरत की दो महिला वकीलों को चार वर्ष के लिए सदस्यता मिली) हाल ही में इन्टरनेशनल कौंसिल आफ ज्युरिस्ट लन्दन में सूरत के 25 वर्षो से वकालत के पेरों से संलग्न तथा सुप्रीम कोर्ट आफ इन्डया नई दिल्ली की एडवोकेट तथा नोटरी श्रीमती प्रीति जिज्ञेश जोशी तथा एडवोकेट श्रीमती दीपिका पी चावड़ा को आगामी चार वर्षो के लिए सदस्यता प्राप्त हुई है। इसके पहले इन्टरनेशनल एवार्ड प्राप्त इन महिला वकीलों ने वकील समुदाय का तथा सूरत शहर एवं गुजरात राज्य के साथ ही भारत देश का भी सम्मान बढाया है।

इन्टरनेशनल कौंसिल आफ ज्युरिष्ट का रजिस्टर्ड आफिस लन्दन में कार्यरत है। इन वकीलों की कायदाकीय ज्ञान एवं कार्यो पर विचार कर उनकों सदस्यता प्रदान की गई है। जो न सिर्फ सूरत बल्कि भारत वर्ष के लिए भी गर्व की बात है अब देश में ही नहीं विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए भी कानूनी जागृति के प्रोग्राम का आयोजन तथा एन.आर.आई. सम्बन्धित विविध विवादों तथा प्रतिवादों हेतु भी सेमीनारों का आयोजन किया जा सकेगा और ऐसे आयोजनों में भाग भी ले सकेंगे।

पोते की चाह में पोती होने पर दादी ने पिलाया जहर

राजकोट । गुजरात के राजकोट से रिश्ते को शर्मसार करता एक मामला सामने आया है, जहां पोते की चाह में दादी में 19 दिन की नवजात पोती की हत्या कर दी। आरोपी दादी शांता रैयाणी (60) के खिलाफ पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। राजकोट गोन्डल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शांता आपकी बहू संगीता से बेटी को जन्म देने की बात से नाराज थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक बार फिर बेटी को जन्म देने से खुश संगीता ने बेटी का नाम किंजल रखा था। परंतु बेटी के जन्म से ही उसकी सास शांता बेहद नाराज थी और उसने नवजात की हत्या करने का फैसला लिया। पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पहले नवजात लगातार रो रही थी। जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे सोने के लिए एक तरफ पिलाने के लिए कहा। गुरुवार को जब संगीता अपने पति के साथ किसी काम से बाहर गई, तो दादी शांता ने सिरप में जहर मिलाकर बच्ची को दे दिया। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर माता-पिता उसे अस्पताल ले गए, जहां बिगड़ती तबीयत के चलते उसे राजकोट सिविल अस्पताल भर्ती कराया गया।

'फिर एक बार मोदी सरकार' संकल्प के साथ डिजीटल एल.ई.डी रथों का प्रस्थान

सूरत। रविवार को सूरत भाजपा कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आज गांधीनगर स्थित श्री मकलम भाजपा के प्रदेश कार्यालय भाजपा के प्रदेशप्रवक्ता श्री भरत पन्डया ने फिर एक बार मोदी सरकार के स्लोगन के साथ पुन: भाजपा की सरकार बनाने के संकल्प के साथ प्रचार एवं प्रसार हेतु डिजीटल एल.ई.डी रतों का प्रस्थान कराया। इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ बात चीत करते हुए बताया कि गुजरात एवं देश भर में चुनावी वातावरण बनता जा रहा है। भाजपा का कार्यकर्ता रुपी सैन्यबल भी काम में लग गया है। लोकसभा स:विजय संकल्प सम्मेलनों को उत्साह पूर्ण वातावरण में आयोजित किया जा रहा है, और लोकसभा चुनाव प्रभारी ओमजी माथुर, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी प्रदेश प्रमुख जीतूभाई वाघाणी, नायब मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल तथा केन्द्रीय मंत्री पो. पुरुषोत्तम भाई रुपाला और मनसुख भाई मांडवीया का भी राज्य में सत्त प्रयास चल रहा है।

पन्डाय ने बताया के पहले प्रदेश भाजपा द्वारा में भी चौकीदार थीम पर लोकशैली में प्रचार प्रसार किया गया, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र काका के मार्गदर्शन में तैयार की गयी 51 से अधिक वस्तुओं के साथ प्रचार सहित्य की किट का गुजरात भर में 40,128 बूथों पर वितरण किया गया, 13 डासिंग म्युजिकल थीम द्वारा केन्द्रीय योजनाओं से आम जनता को अवगत कराया गया ऐसे पाजिटिव कैम्पेन द्वारा भारतीय जनता पार्टी जनसम्पर्क में जा रही है।

आज प्रस्थान कराये गए एल.ई.डी. रथों के विषय में सूचना देते हुए पन्डया ने बताया कि समग्र देश में 550 से ज्यादा एल.ई.डी रथ भ्रमण करेंगे गुजरात के प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में कम से कम दो रथ इस हिसाब से कुछ बावन रथ भ्रमण करेंगे और कमल का बटन दबाओं फिर एक बार मोदी सरकरार बनाओं के संदेश के साथ गुजरात की साढे 6 करोड़ जनता के बीच पहुंचेंगे। इस रथ में तीन प्रकार के वीडियों दिखेंगे। प्रथम वीडियों 17 मिनट का है जिसमें प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को दिखाया गया है। दुसरे वीडियों में मैं भी चौकीदार धीम का है जो सात मिनट चलेगा, तीसरा वीडियों तीन मिनट का है जो मोदी है तो मुमकिन है धीम पर आधारित है। यह रथ गुजरात भर में चलाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य है कि जन जन तक सरकार की उपलब्धियों की चर्चा हो अधिकाधिक मतदान हो कांग्रेस की असफलताओं एवं मोदी सरकार की सफलताओं से जनता तुलना कर सके तथा जनभागीदारी से देश सम्पूर्ण समर्थन वाली मजबूत सरकार बनाकर 2019 के चुनाव में भी 2014 के चुनावों का पुनरावर्तन कर सके। इसके अतिरिक्त भाजपा के प्रचार प्रसार के लिए जादुगरों की टीम भी चुनाव प्रचार में उतारेगी इस परम्परागत प्रचार माध्यम से जादुगर अपनी प्राकृतिक विधा से केन्द्र सरकार की प्रजालक्षी योजनाओं की जानकारी जनता को मनोरंजन के साथ देंगे। एक लोकसभा सीट के हिसाब से जादुगरों की दो टीम प्रचार प्रसार का कार्य करेंगी।

जूनागढ़ से 227 करोड़ के बिलिंग घपले का पर्दाफाश

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ से 227 करोड़ के बिलिंग घपले का पर्दाफाश हुआ है। राज्य जीएसटी विभाग के कर्मचारियों को इन कम्पनियों की सूची प्राप्त नहीं हुई है। चर्चा है कि विभाग द्वारा इन कम्पनियों का बचाव किया जा रहा है। अभी तक इनके मालिकों का नाम नहीं मिला है। जीएसटी विभाग ने जूनागढ़ में जांच कर नौ ऐसी कम्पनियों की तफ्तीश की है। जिन्होंने किसी भी प्रकार की खरीदी किए बिना है। बिल प्रस्तुत कर घोटाला किया है। खाघ-तथा तिलहन व्यापारियों का यह बिल दिया गया है। किसी व्यक्ति ने अन्य व्यापारी का पैन नम्बर प्राप्त कर जीएसटी नम्बर लिया।

हेमा, शत्रु, उर्मिला और मनोज जोशी गुजरात में करेंगे चुनाव प्रचार

अहमदाबाद । गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग के आडे चंद दिन शेष रह गए हैं और नामांकन प्रक्रिया के बाद भाजपाऔर कांग्रेस ने प्रचार तेज कर दिया है। गुजरात में भाजपा से पीएम मोदी, अमित शाह और कांग्रेस से राहुल गांधी व प्रियंका गांधी समेत पार्टी के दिग्गज नेता चुनाव मैदान में उतरेंगे। जबकि अभिनेताओं में अहमदाबाद के पूर्व सांसद परेश रावल, हेमामालिनी, उर्मिला मांतोडकर, मनोज जोशी और हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए शत्रुघ्नसिंहा भी गुजरात में रैलियों का संबोधित करेंगे।

भाजपा के स्टार प्रचारकों में पीएम मोदी और अमित शाह के अलावा राजनाथसिंह, अरूण जेटली, नितिन गडकरी, सुषमा स्वराज, निर्मला सीतारामन, उमा भारती, योगी आदित्यनाथ, वसुंधरा राजे सिंधिया के अलावा प्रदेश स्तर के नेता शामिल हैं। वहीं कांग्रेस में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहनसिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, लोकसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे, पंजाब सरकार के मंत्री नवजोतसिंह सिद्धु के अलावा कुमारी शैलजा, रणदीप सूरजेवाला समेत नेता जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 10 अप्रैल को सौराष्ट्र और दक्षणि गुजरात में दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भाजपा अध्यक्ष और गांधीनगर सीट से प्रत्याशी अमित शाह पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को अहमदाबाद में रोड शो कर चुके हैं। वहीं रक्षा मंत्री निर्मला सीतारामन भी 6 अप्रैल को वडोदरा, आणंद और अहमदाबाद में प्रबुद्ध नागरिकों का सम्मेलन कर चुकी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 15 अप्रैल को गुजरात के सौराष्ट्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी एक दिवसीय गुजरात यात्रा के दौरान राज्य में तीन सभाएं करें, ऐसा आयोजन प्रदेश कांग्रेस कर रही है। हांलाकि अब तक स्थल और समय तय नहीं किया गया है। बता दें कि गुजरात में लोकसभा की सभी 26 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग होना है और आगामी 15 दिनों के दौरान भाजपा व कांग्रेस प्रचार में पूरी ताकत झोंक देंगी।

पति करता था दूसरे मर्दो से सबंध बनाने पर मजबूर, महिला ने दर्ज कराइ शिकायत

अहमदाबाद। घरेलू हिंसा के मामले कई बार सामने आते हैं लेकिन गुजरात के अहमदाबाद में जो घटना सामने आई है वो पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार कर देने वाली है। शहर के घाटलोडिया क्षेत्र की रहने वाली महिला ने अपने पति और परिवार के अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति उसे दूसरे मर्दो के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है। इनकार और विरोध पर पुराने विचारों वाली कहकर ताने मारता है।

महिला के अनुसार वो एमबीए है और एक कंपनी में नौकरी करती है। उसकी शादी 2015 में मेमनगर के युवक के साथ हुई थी। शादी के बाद उसका पति अजीब हरकतें करता और अश्लील फिल्में दिखाकर संबंध बनाने को मजबूर करता। इतना ही नहीं उसके ससुराल वाले भी यौन संबंधों को लेकर बेशर्मी से बात करते और जब वो इससे असहज महसूस करती तो उसे ओल्ड फैशन्ड और पुराने विचारों वाली कहकर ताने मारते।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसका पति उसके मित्रों एवं उनकी पत्नियों के साथ होटल में भोजन के लिए जाता, इस दौरान सभी एक दूसरे की पत्नियों के साथ संबंध बनाने को मजबूर करते हैं। शहर के घाटलोडिया क्षेत्र की रहने वाली महिला ने अपने पति और परिवार के अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति उसे दूसरे मर्दो के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है। इनकार और विरोध पर पुराने विचारों वाली कहकर ताने मारता है। इतना ही नहीं उसके ससुराल वाले भी यौन संबंधों को लेकर बेशर्मी से बात करते और जब वो इससे असहज महसूस करती तो उसे ओल्ड फैशन्ड और पुराने विचारों वाली कहकर ताने मारते।

इन्कार करने पर पिटाई भी करता था। इसे वह आधुनिक जमाने की बात कह कर धमकाता भी था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ मनाली गयी थी। जहां उसके पति के मित्र और उसकी पत्नी भी आई थी। जहां उसके पति ने पत्नियों को परस्पर बदल कर सह शयन के लिए मजबूर किया। उसके इंकार करने पर पति ने मादक द्रव्य पिलाकर नशे की हालत में उसका अन्य मित्रों के साथ फोटो खींचकर बदनाम करने की धमकी दी। घाटलोडिया पुलिस के मुताबिक युवती की शिकायत के बाद आगे की कार्रवाई शुरु की गई है।

हार से बौखलाई भाजपा के विधायक धमकी देने लगे : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद । कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने वाघोडिया के विधायक मधु श्रीवास्तव को लेकर भाजपा पर कड़ा प्रहार किया। हार्दिक पटेल ने कहा कि आगामी चुनाव में होनेवाली हार से भाजपा इतनी बौखला गई है कि उसके विधायक लोगों को धमकियां देने लगे हैं। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि ।हार से इतना बौखलाहट क्यों। वडोदरा में भाजपा का एक विधायक जनता को कह रहा है कि अगर भाजपा का कमल आपके गांव से नहीं निकला तो मैं आपको बाहर नहीं निकलने दूंगा। भाजपा तो धमकी पर उतर गई है। गुजरात इतना डरपोक है कि इनसे डर जाएगा। अरे नहीं इस बात तो हमने तय किया है परिवर्तन लाना है।।

बता दें कि वडोदरा से भाजपा उम्मीदवार रंजन भट्ट के प्रचार के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए वाघोडिया के विधायक मधु श्रीवास्तव ने खुलेआम कहा था कि आपके इलाके मेंकमल को वोट नहीं पड़े तो ठिकाने लगा दूंगा। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि ।हार से इतना बौखलाहट क्यों। वडोदरा में भाजपा का एक विधायक जनता को कह रहा है कि अगर भाजपा का कमल आपके गांव से नहीं निकला तो मैं आपको बाहर नहीं निकलने दूंगा। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अपनी सफाई में मधु श्रीवास्तव ने कहा कि मेरा वीडियो डबिंग कर वायरल किया गया है और मैं इसे वायरल करने वाले के खिलाफ मानहानि का केस करूंगा।

श्रीवास्तव के वीडियो को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भरत पंड्या ने कहा कि यदि उन्होंने ऐसे शब्दों का प्रयोग किया है तो यह उचित नहीं। दूसरी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने कहा कि यदि इसी प्रकार देश में भाजपा का शासन लंबा चला तो देश में लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकार खत्म हो जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**